# अटल भूजल योजना

## (भूगर्भ जल विभाग, उ0प्र0, लखनऊ)

## भूजल संरक्षण एवं संवर्धन

## हेतु

## ग्राम पंचायत में स्थापित भूजल स्तर मापी यंत्र

**अटल भूजल योजना चयनित क्षेत्र**

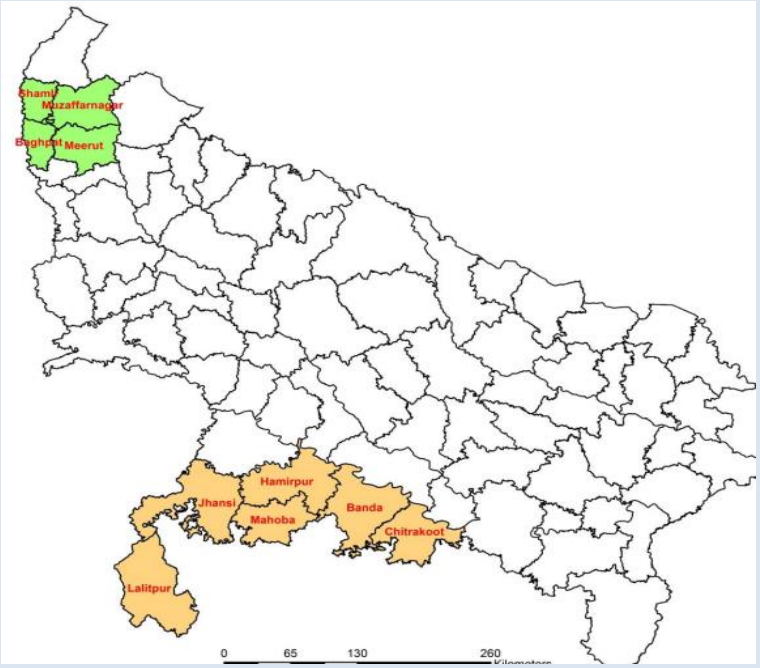


आज पूरा मानव समाज भूजल के गिरते स्तर की वजह से गंभीर संकट की चपेट में है। आज हम अपने–अपने भौतिक सुख–साधनों की प्राप्ति के लिए न केवल भूजल का अंधाधुंध दोहन कर रहे हैं बल्कि भूजल को दूषित भी कर रहे हैं। जिससे स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्याओं तथा पीने के पानी का गम्भीर मुद्दा बना हुआ है। यदि समय रहते भूजल संरक्षण पर कार्य नहीं किया गया तो मानव समाज के लिए जीवन जीना दुर्लभ हो जायेगा।

"पानी व्यर्थ न जाने दो, समस्या मत आने दो।

शिक्षा ज्ञान बढ़ाती है, पानी जान बचाती है।।"

योजना के अन्तर्गत चयनित जनपदों की ग्राम पंचायतों में गिरते भूजल स्तर को नापने एवं ग्रामवासियों को गिरते भूजल स्तर से अवगत कराने हेतु भूगर्भ जल विभाग द्वारा ग्राम पंचायतों में अनेक प्रकार के भूजलमापी यंत्रों को स्थापित किये गये हैं जिससे ग्रामवासी समय–समय पर देखकर अपने ग्राम पंचायत में उपलब्ध भूजल स्तर को जान सकेंगे तथा जल की उपलब्धता के आधार पर भूजल संरक्षण एवं संवर्धन हेतु अनेक उपाय जैसे वर्षा जल संग्रहण, कृषि क्षेत्र एवं सतही जल का अधिक उपयोग कर आने वाले भविष्य एवं पीढ़ी के लिए भूजल का बचाया जा सके।

## डिजिटल वाटर लेवल रिकार्डर (DWLR):–

योजना के अन्तर्गत चयनित ग्राम पंचायत भवन/प्राथमिक विद्यालय/जूनियर विद्यालय में से किसी एक स्थान पर भूगर्भ जल विभाग द्वारा भूजल स्तर नापने हेतु डिजिटल वाटर लेवल रिकार्डर लगाया गया है इस यंत्र के द्वारा ग्राम पंचायत का किसान एवं मुख्यालय भी ग्राम पंचायत में भूजल स्तर में होने वाले उतार चढ़ाव के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे, जिससे ग्राम पंचायत स्तर पर भूजल के आधार पर कृषि एवं अन्य कार्यों की कार्ययोजना बना सकेंगे तथा मुख्यालय भी भूजल स्तर गिरने पर ग्रामवासियों को सुझाव एवं सहायता ससमय कर सकेंगे, क्योंकि इस यंत्र के द्वारा मानवीय और यांत्रिक दोनो विधि से जानकारी प्राप्त होती है।

**"हर जीव का पानी पर, देखो समान अधिकार।**

**व्यर्थ बहाना है आदत, तो है जीवन धित्कार।।"**

## प्रवाह मापी यंत्र (Flow Meter):–

योजना चयनित ग्राम पंचायतों में किसी एक किसान की बोरिंग में भूगर्भ जल विभाग द्वारा यह यंत्र लगाया गया है। इस यंत्र के द्वारा किसान बोरिंग से कितना पानी निकाल रहे हैं उसके बारे में जानकारी होगी तथा डी.डब्लू.एल.आर. से उपलब्ध जल की मात्रा एवं फ्लोमीटर से उपयोग जल की मात्रा की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे जिससे भविष्य में जल की उपलब्धता कम न हो उस पर गांव को जल से परिपूर्ण हेतु सभी ग्रामवासी मिलकर वाटर सिक्योरिटी प्लान बनाने का मिलकर कार्य करेंगे। बनाकर कार्य करेंगे।

"पानी तो बहुत जहाँ में, पर पीने लायक कम।
सो बचाओ हर बूंद, वरना भविष्य है बेदम।।"

## वर्षा मापने का यंत्र (Rain Gauge):–

किसी स्थान पर होने वाली वर्षा को मापने के लिए यह एक साधारण यंत्र है इस यंत्र में एक गोल बेलनाकार की नली के मुंह पर कीप जिसका मुंह बेलनाकार नली के मुंह से 10 गुना बड़ा होता है वर्षा होने पर कीप के माध्यम से नली में जितना जल एकत्र होता है उसे मपनी अंकित जार में डालकर वर्षा जल की मात्रा मिलीमीटर में ज्ञात की जाती है। इस यंत्र को खुले स्थान पर रखते हैं, ताकी वर्षा के पानी के कीप में गिरने में किसी प्रकार की रूकावट न हो।

"जल की बर्बादी की न करना भूल।
जल ही है जो बनाता है पृथ्वी पर जीवन को अनुकूल।।"

## पीजोमीटर :–

भूजल स्तर नापने का यह भी उपकरण है जिसका उपयोग किसी प्रणाली में तरल दबाव मापने के लिए किया जाता है यह उपकरण भूजल के दबाव को मापता है जिससे भूजल स्तर का पता चलता है। पीजोमीटर जमीन के अन्दर सभी प्रकार के हाइड्रोलिक दबाव को मापता है। इसका उपयोग स्टैण्ड पाइप, बोरहोल और कुओं में पानी के स्तर को मापने के लिए किया जाता है।

**"जल स्तर घटता जा रहा है प्रतिवर्ष।**

**आओ मिलकर इसे बचाने हेतु करें संघर्ष।।"**

## डाटा डिस्क्लोजरः–

प्रत्येक ग्राम पंचायत में एक आयरन बोर्ड स्थापित किया गया है जिसमें ग्राम पंचायत सम्बन्धित सूचनायें जैसे– आबादी, वाटरशेड का नाम, पशुधन तथा ग्राम पंचायत में जल उपलब्धता का विवरण, जल संतुलन का विवरण तथा जल बजट रिपोर्ट आदि की वर्तमान स्थिति के विवरण का अंकन होगा, जिसे देखकर ग्राम पंचायत का हर व्यक्ति ग्राम पंचायत में उपलब्ध जल की स्थिति के बारे में जान सके।

**"जल की सुरक्षा करो अनिवार्य, क्योंकि इसके बिना सब है बेकार।"**

## साउण्डर:–

अटल भूजल योजनान्तर्गत ग्राम पंचायत स्तर पर कूप/ट्यूबेल में मैनुअल तरीके से भूजल स्तर का मापन साउण्डर के माध्यम से किया जाता है। यह मुख्यतः बैट्री द्वारा संचालित होता है जो सामान्य अवस्था में खुला हुआ होता है एवं जल के सम्पर्क में आते ही एक बीप की ध्वनि उत्पन्न होती है जिससे ध्वनि सुनकर भूजल के स्तर का पता चलता है। इसके माध्यम से पारदर्शी तरीके से भूजल स्तर की माप हो जाती है।

**"आओ मिलकर लें जल संरक्षण का संकल्प,**

**पृथ्वी की रक्षा का यही है विकल्प।"**

**अधिक जानकारी के भूगर्भ जल विभाग, उ0प्र0, लखनऊ– 0522–2287068**

Website: http://upgwd.gov.in, Email: upgwd.in@gmail.com

**टॉल फ्री नं0–1800110121**

**प्रायोजक:**
**भूगर्भ जल विभाग, उ0प्र0, राज्य भूजल सूचना प्रणाली केन्द्र, (भूजल भवन), ग्राम हरिहरपुर निकट दिल्ली पब्लिक स्कूल, शहीद पथ, लखनऊ–226002**

**आयोजक:**
**दीन दयाल उपाध्याय राज्य ग्राम्य विकास संस्थान, बख्शी का तालाब, लखनऊ**